पुणना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

PERIODIC ASSIGNMENT- 1	
GRADE – 5	SUBJECT - HINDI
पाठ-1 राख़ की रस्सी	पाठ-2 फसलों के त्योहार
कविता-3 खिलौनेवाला	पाठ-4 नन्हा फनकार

(अपठित-विभाग)

प्र-1 अपठित गदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए|

मनुष्य की विशेषता उसके चरित्र में है। चरित्र के कारण ही एक मनुष्य दूसरे से अधिक आदरणीय समझा जाता है। विद्या का मान सज्जन तभी करते है जब विद्यावान विनय एवं चरित्र से युक्त हो। विद्या, बल तथा पद होते हुए भी रावण अपने राक्षसी कर्म के कारण निंदनीय था। रावण विदयावान होने पर भी वंदनीय नहीं बन पाया। मनुष्य का मूल्य उसके चरित्र में है। विनय, उदारता, लालच में न पड़ना, धैर्य, सत्य भाषण, वचन का प्रतिपालन करना और कर्तव्य परायण ये सब गुण चरित्र में आते है।

1. मनुष्य की विशेषता किसमें है?

उसके चरित्र में

2. मनुष्य का आदर किन कारणों से होता है?

चरित्र के कारण

3. रावण निंदनीय क्यों था?

राक्षसी कर्म के कारण

4. चरित्र में कौन-कौन से गुण आते है?

(क) विनय और उदारता (ख) सत्य और धैर्य

(ग) कर्तव्य परायण **(घ) उपरोक्त सभी**

5. 'गुण' शब्द का विपरितार्थक शब्द है-

(क) निर्गुण **(ख) अवगुण**

(ग) सदगुण (घ)महा गुण

2] किसी तालाब में एक मेंढक रहता था| एक बार वह तालाब के किनारे बैठकर टर्र-टर्र कर रहा था| वहीं वृक्ष पर एक कौआ बैठा था| वह मेंढक के पास आया और उसे पकड़ लिया| मेंढक बोला," भाई कौए मेरे शरीर पर कीचड़ लगा हुआ है| पहले धो लो फिर खाना|" कौवा उसे लेकर तालाब के किनारे गया| जब कौवा मेंढक को तालाब के पास रखकर जैसे ही पानी लेने गया, मेंढक तुरंत कूदकर तालाब में चला

गया| कौवा देखता ही रह गया|

1- तालाब में कौन रहता था?

उत्तर- किसी तालाब में एक मेंढक रहता था|

2- मेंढक कैसे बोलता है?

उत्तर- मेंढक टर्र-टर्र बोलता है|

3- मेंढक ने अपने आपको बचाने के लिए कौवे से क्या कहा?

उत्तर- मेंढक बोला," भाई कौए मेरे शरीर पर कीचड़ लगा हुआ है| पहले धो लो फिर खाना|"

4- कौवा मेंढक को कहा ले गया?

उत्तर- कौवा मेंढक को लेकर तालाब के किनारे गया|

5- इस गदयांश से आपको क्या शिक्षा मिली?

उत्तर-इस गदयांश से हमे यह शिक्षा मिलती है कि हमे हमेशा चतुराई से और सोच समझकर काम करना चाहिए|

(साहित्य-विभाग)

प्र-2 निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१ः भेडों के बाल बेचना किसे पसंद नहीं आया?

उत्तर–भेडों के बाल बेचना लोनपो को पसंद नहीं आया।

२ः सरहुल में चंदे में कौन–कौन सी चीज़े माँगी जाती हैं?

उत्तरः सरहुल में चंदे में मुर्गा,चावल और मिश्री माँगी जाती हैं।

३: केशव की उम्र क्या थी?

उत्तर: केशव की उम्र तेरह साल की थी|

४ः तिब्बत के बतीसवें राजा कौन थे?

उत्तरः तिब्बत के बत्तीसवें राजा सोनगवसेन गांपों थे|

५ः दादी के बाल कैसे लग रहे थे?

उत्तर : दादी के बाल सफ़ेद रुई जैसे लग रहे थे।

६: खिलौनेवाला क्या कहकर खिलौने बेच रहा था?

उत्तर–खिलौनेवाला "नए खिलौने ले लो भैया"कहकर खिलौने बेच रहा था।

७: ताड़का का वध किसने किया था?

उत्तर–ताड़का का वध श्रीराम ने किया था।

८: बिहू का त्योहार कहा मनाया जाता है?

उत्तर: बिहू का त्योहार असम में मनाया जाता है|

९ : बालक रावण को मारने के लिए क्या बनना चाहता है?

उत्तर: बालक रावण को मारने के लिए रामचन्द्र बनना चाहता है|

१०: लोनपो ने सौ जौ के बोरों को लेने के लिए अपने बेटे को कहाँ के लिए रवाना किया?
उत्तर-लोनपो ने सौ जौ के बोरों को लेने के लिए अपने बेटे को शहर के लिए रवाना किया।
११ : तिलकुट किन चीज़ो से बनाया जाता है?
उत्तरः तिलकुट गुड़ और तिल से बनाया जाता है।
१२ : कौशल्या कौन थी?
उत्तर: कौशल्या श्री रामचन्द्र की माँ थी|
१३: मुन्नू व मोहन ने क्या-क्या खरीदा था?
उत्तर-मुन्नू ने गुड़िया और मोहन ने मोटरगाड़ी खरीदा था।
१४: खिलौने वाले के पास कौन-कौन से खिलौने थे?
उत्तर-खिलौने वाले के पास तोता, गेंद, मोटरगाड़ी, रेल, गुड़िया, टी-सेट, लोटा-थाली, धनुष-बाण, तलवार थे।
१५: तेरह साल की उम्र में किसने क्या काम किया?
उत्तर: तेरह साल की उम्र में केशव ने पत्थर पर नक्काशी का काम किया|

प्र-3 निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१:लोनपो कौन थे? वह क्यो प्रसिद्द थे?
उत्तरः लोनपो तिब्बत के बत्तीसवें राजा सौनगव सेन गांपो के मंत्री थे।वे अपनी चालाकी और हाज़िर जवाबी के लिए दूर-दूर तक मशहूर थे।
२-सरहुल का साल के वृक्ष स क्या संबंध है?
उत्तर-सरहुल के दिन विशेष रूप से साल के पेड़ की पूजा की जाती है।यही समय है जब साल के पेड़ो में फूल आने लगते हैं और मौसम बहुत ही खुशनुमा हो जाता हैं।
३- मकर संक्रांति के दिन लोग क्या खाते है ?
उत्तर- मकर संक्रांति के दिन दिन तिल, गुड़ और चीनी के तिलकुट खाए जाते हैं जो बड़े स्वादिष्ट लगते हैं।
४-खिलौने वाली रेल की कौन-कौन सी विशेषताएँ थीं?
उत्तर-खिलौने वाली रेल चाभी भर देने से भक-भक करती चलने वाली थी।
५-सरला की कौन-सी इच्छा पूरी न हो सकी और क्यों?
उत्तर-सरला की साड़ी लेने की इच्छा पूरी न हो सकी क्योंकि उसके पास केवल चार पैसे थे।
६- माँ ने बालक को खिलौने खरीदने के लिए कितने पैसे दिए?
उत्तर- माँ ने बालक को खिलौने खरीदने के लिए चार पैसे दिए|
७-मंत्री ने दूसरी बार अपने बेटे को शहर क्यों भेजा?
उत्तर-मंत्री ने दूसरी बार अपने बेटे को शहर सो जौ के बोरे लाने के लिए भेजा|
६--खिचड़ी के त्योहार के दिन केले के पत्तों पर क्या-क्या रखा गया था?
उत्तर-खिचड़ी क त्योहार के दिन केले के पत्तों पर तिल, गुड़, चावल रखा गया था।
७- बादशाह अकबर सीकरी में नगर क्यों बना रहे थे?
उत्तर: उन्होंने ख्वाजा सलीम चिश्ती के सम्मान में सीकरी में नगर बसा दिया।

(व्याकरण-विभाग)

प्र-4 निम्नलिखित वाक्यों के संज्ञा के प्रकार लिखिए।

१-वह कल रात को आया था।	जातिवाचक संज्ञा
२-हिरन इधर-उधर दौड़ रहे थे।	जातिवाचक संज्ञा
३-हिमालय पर्वत बहुत ऊचाँ है।	व्यक्तिवाचक संज्ञा
४-आज बहुत गरमी है।	भाववाचक संज्ञा
५-हम लोग अमेरिका मे रहते है।	व्यक्तिवाचक संज्ञा
६-सेना आगे बढ़ रही है।	जातिवाचक संज्ञा
७-लक्ष्मीबाई की वीरता जगत प्रसिसद्ध है।	भाववाचक संज्ञा
८-बीरबल की चतुराई देखकर अकबर बहुत प्रसन्न हुए।	भाववाचक संज्ञा
९-सोने की शुद्रता की परख जौहरी ही कर सकता है।	भाववाचक संज्ञा
१०-मुझे बहुत भूख लगी है।	भाववाचक संज्ञा

प्र-5 संज्ञा किसे कहते है?

उत्तर- किसी व्यक्ति ,वस्तु, स्थान और प्राणी के नाम को संज्ञा कहते है|

प्र-6 पयार्यवाची शब्द

1-बादल - मेघ, घन

2- घोड़ा - अश्व, तुरंग

3- पर्वत- गिरी, अचल

4- पक्षी- खग, विहग

5- घर- मकान, गृह

6- हाथी- गज, कुंजर

7- रात- रात्री, निशा

8-इच्छा- चाह, कामना

9- ईश्वर- प्रभु, भगवान

10- समुद्र- सागर, सिंधु

11- पहाड़- पर्वत, गिरि

12- चंद्रमा- चंद्र, शशि

विलोम शब्द

1- गुरु x शिष्य

2- आदान x प्रदान

3- देव x दानव

4- सजीव x निर्जीव

5- अपना x पराया

6- हानि x लाभ

7- दानी x कंजूस

8- आदि xअंत

9- उदय x अस्त

10- आकाश x पाताल

11- अमृत x विश

12- ऊँच x नीच

प्र-7 " कुजडिन" और " पनवाड़ी" क्या बेचते है?

उत्तर- " कुजडिन " सब्जी और " पनवाड़ी" पान बैचते है|

राज्य और उनमें बोली जाने वाली भाषाएं

राज्य	आधिकारिक भाषा
आंध्र प्रदेश	तेलुगु
अरुणाचल प्रदेश	अंग्रेजी
असम	आसामी
बिहार	हिंदी
छत्तीसगढ़	हिंदी
गोवा	कोंकणी, अंग्रेजी
गुजरात	गुजराती
हरियाणा	हिंदी
हिमाचल प्रदेश	हिंदी
झारखंड	हिंदी
कर्नाटक	कन्नड़
केरल	मलयालम
मध्यप्रदेश	हिंदी
महाराष्ट्र	मराठी
मणिपुर	मणिपुरी
कश्मीर	कश्मीरी
ओडिशा	ओडिया
पंजाब	पंजाबी
राजस्थान	हिंदी
सिक्किम	अंग्रेजी,नेपाली सिक्कीमी, लेप्चा
तमिलनाडु	तमिल
तेलंगाना	तेलुगु
त्रिपुरा	बंगाली, अंग्रेजी, कोकबरोक
उत्तर प्रदेश	हिंदी
उत्तराखंड	हिंदी
पश्चिम बंगाल	बंगाली, अंग्रेजी

(लेखन-विभाग)

अनुच्छेद

1) अनुशासन

अनुशासन दो शब्दों से मिलकर बना है - अनु और शासन। अनु का अर्थ है पालन और शासन का मतलब नियम। हमारे जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है यह हमें नियमों का पालन करना सिखाता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, जो कि समाज में रहता है और उसमें रहने के लिए अनुशासन की आवश्यकता होती है।अनुशासन हमारी सफलता की सीढ़ी है| अनुशासन दो प्रकार का होता है - एक वो जो हमें बाहरी समाज से मिलता है और दूसरा वो जो हमारे अंदर खुद से उत्पन्न होता है। हालाँकि कई बार, हमें किसी प्रभावशाली व्यक्ति से अपने स्व-अनुशासन की आदतों में सुधार करने के लिये प्रेरणा की जरुरत होती है। अनुशासन का महत्त्व समझने के बाद हमें चाहिए कि हम हमेशा अनुशासन में रहें और अपने जीवन में सफल होने के लिए अपने माता-पिता और शिक्षकों के आदेश का पालन करें। हमें सुबह-सुबह बिस्तर से उठना चाहिए और एक गिलास पानी पीना चाहिए और खुद को तरोताजा रखना चाहिए। दांतों को रोजाना ब्रश करना चाहिए, स्नान करना चाहिए और फिर स्वस्थ नाश्ता करना चाहिए। बिना भोजन ग्रहण किए हमें कभी भी न तो स्कूल जाना चाहिए और न ही किसी अन्य काम में। हमें अपने प्रत्येक कार्य को सही समय पर साफ और स्वच्छ तरीके से करना चाहिए।अपने जीवन को अनुशासित बनाए रखने के लिए हमें हर सम्भव प्रयास करना चाहिए। क्योंकि अनुशासन ही सफल जीवन की पहली सीड़ी मानी जाती है।

2) समय का महत्व

समय के महत्व को बचपन से ही लोगों को सिखाया जाना चाहिए।
समय कभी भी किसी के लिए नही रुकता, इसलिए सही समय पर अपने कार्य करना जरूरी है।
समय का महत्व,जो इंसान सीख गया,वह जिंदगी में जरूर सफलता प्राप्त करता है।
समय बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए हम सभी ने अपने काम समय पर करने चाहिए।
समय बहुत मूल्यवान होता है, इसलिए हम सभी ने समय का सदुपयोग करना चाहिए।
समय का सही उपयोग करने के लिए समय नियोजन करना जरूरी है।
समय की बर्बादी करने से हमारी अवनति होती है।
बीता हुआ समय कभी भी किसी के लिए लौटकर नही आता।
महान लोगों ने समय के महत्व को समझा और इसीलिए वे महान बने।
जिंदगी में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत और समय के महत्व को समझना जरूरी है।

3) नदियों का महत्व

जीवन के शुरुआत से अंत तक नदियों का प्राणी जीवन पर उपकार रहे हैं। नदियाँ सदैव से ही मानव के लिए जीवन दायनी रही है। नदियाँ प्रकृति का अभिन्न हिस्सा है, नदियों से ही पृथ्वी पर जीवन संभव है, जीवन जीने के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्रोत जल है, जो नदियों से ही प्राप्त होता है। नदियाँ अपने साथ बारिश का जल एकत्र कर, उसे भू-भाग में पहुँचाने का महत्वपूर्ण काम करती हैं। नदियाँ देश के विकास में बहुत साथ देतीं हैं फिर चाहे वह आर्थिक विकास, सामाजिक विकास या फिर धार्मिक विकास ही क्यों न हो। नदी से एक नहीं अपितु कई लाभ होते हैं। नदियाँ धरती पर जीवन जीने के लिए एक आशीर्वाद हैं। भारत में नदियों को माता के रूप में पूजा जाता है, भारत में नदियों का धार्मिक इतिहास बहुत ही रोमांचक रहा है। पुराने समय से ही भारत को नदियों का देश मना जाता है, भारत में हमेशा से ही पवित्र नदियों में स्नान करने का प्रचलन चला आ रहा है। दुनियाँ में हर छोटी-बड़ी नदी आपस में मिलती हैं और फिर सभी का पानी समुद्र में मिल जाता है जिससे सभी नदियों के मेल से विशाल जल भंडार का निर्माण होता है दुनियाँ में कई अनगिनत नदियाँ है दुनियाँ की सबसे लंबी नदी का ख़िताब नील नदी को मिला है। नदियाँ सभी के लिए जीवन दायनी हैं और मानव को नदियों क प्रति अपनी दृष्टि सुधारनी होगी और नदियों को प्राथमिकता देनी होगी और नदियों का दोहन बंद करना होगा।

>>